(i) Printed Pages : **4**] Roll No. .....

(ii) Questions : **11**] **Sub. Code :** 0 2 1 2

Exam. Code : 0 0 0 3

B.A./B.Sc. (General) 3rd Semester Examination

1127

SANSKRIT

(Shri Madh Bhagvad Geeta Avam Vyakaran)

(Elective)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 90**

नोट :- (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

1. किन्हीं **दो** श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या कीजिए–

(क) परित्राणाय साधुनां विनाशाय च दुष्कृताम्।

धर्मसंस्थापनार्थाय संभवामि युगे-युगे॥

(ख) कर्मणो ह्यापि बोद्धव्यं बोद्धव्यं च विकर्मण:।

अकर्मणश्च बोद्धव्यं गहना कर्मणो गति॥

(ग) यज्ञशिष्टामृतभुजो यान्ति ब्रह्मसनातनम्।

नायं लोकोस्त्ययज्ञस्य कुतोऽन्यः कुरुसत्तम॥

(घ) अज्ञश्चाश्रद्धधानश्च संशयात्मा विनश्यति।

नायं लोकोऽस्ति न परो न सुखं संशयात्मनः॥ 2×7=14

2. किसी **एक** सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) ज्ञानाग्निदग्धकर्माणां तमाहुः पण्डितं बुधाः।

(ख) यज्ञक्षपितकल्मषाः 1×6=6

3. श्रीमद्भगवद्गीता के चतुर्थ अध्याय के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

श्रीमद्भगवद्गीता के चतुर्थ अध्याय में वर्णित यज्ञदृष्टि की चर्चा कीजिए। 1×5=5

4. किन्हीं **दस** शब्दों को संस्कृत में लिखिए–

दरी, साड़ी, नथ, जूता, रूमाल, पाजेब, तकिया, बाजूबंद, मेंहदी, पाउडर, कंघी, मंजन, साबुन, महावर, नेल पॉलिश। 1×10=10

5. किन्हीं **पाँच** शब्दों की सन्धि/सन्धि-विच्छेद कीजिए–

व्यञ्जनम्, यज्ञः, दिग्गजः, अजादि, मृच्छकटिकम्, उद्+ज्वलः

रामस् + शेते, निर+रसः, सम+कर्ता, सत+चित्। 1×5=5

6. किन्हीं **पाँच** शब्दों के विग्रहपद/समस्तपद लिखिए–

पाणिपादम् शब्दार्थौ, यूकालिक्षम्, सुखदुःखम्, पितरौ, इन्द्रःच वरुणः च, श्वशुरश्चश्वश्रू च, होता च पोता च, शीतोष्णम्, अहः च निशा च 1×5=5

7. किन्हीं **पाँच** पदों के साथ निर्दिष्ट प्रत्यय लगाइए–

पाण्डु + अण्, मनु + अण्, व्याकरण + अण, लक्ष्मी + मतुप्, रूप + मतुप, श्री + मतुप, प्रिय + तमप्, उष्ण + तमप्, उच्च + तरप्, नम्र + तरप्। 1×5=5

8. किन्हीं **दो** शब्दों के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए–

तत(पु), एतत(नपुं), यत् (स्त्रीलिंग), चन्द्रमस् 2×5=10

9. किन्हीं **दो** धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए–

कुप्-लट् लकार, शक्-लृट लकार, प्रच्छ्-लोट लकार, मिल्-लङ् लकार 2×5=10

10. किन्हीं **दो** छन्दों के लक्षण और उदाहरण लिखिए :

अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति 2×5=10

11. किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(i) राजा ब्राह्मण को गाय देता है।

(ii) हम फूलों को देख रहे हैं।

(iii) गुरु शिष्य पर क्रोध करता है।

(iv) सदा सच बोलो।

(v) हम कल हरिद्वार जाएंगे।

(vi) प्रजाओं का कल्याण हो।

(vii) शिव को नमस्कार।

(viii) शिक्षक छात्रों को संस्कृत पढ़ाता है।

(ix) विद्यालय के दोनों तरफ उद्यान हैं।

(x) ईश्वर सबको देखता है। 2×5=10